शिकारियों की खबर पाकर उबांशी सरदार उनसे मिलने आया और फौजी सलाम करके बोला आाप लोग खूब आये , अब मुझे उम्मीद है कि बनमानुस जरूर मारा जायगा । हम लोगों का तो घर से निकलना मुश्किल हो गया है । शिकारी ने ग़रूर के साथ कहा हाँ , देखो क्या होता है , आये तो इसी इरादे से हैं । शिकारियों ने सरदार के झोपड़े के पास ही अपनी छोलदारियाँ लगा दीं और पेट देवता की पूजा करने की फ़िक्र करने लगे कि अचानक किसी के कराहने की आवज़ आई जैसे उसका कोई मर गया हो । शिकारी ने पूछा यह कौन रो रहा है हब्शी ने घबढ़ायी हुई आवाज़ में कहा हुजूर यह वही बनमानुस है । दिन भर अपने मु्र्दा जोड़े के पास बैठा रोता है और रात होते ही इधर-उघर घूमने लगता है । न मालूम किस वक्त चुपके गाँव में घुस जाता है और किसी न किसी को मार डालता है ।